

RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

(Residential Autonomous College under University of Calcutta)

FIRST YEAR

B.A./B.SC. FIRST SEMESTER (July – December), 2012

Mid-Semester Examination, September 2012

Date : 10/09/2012

SANSKRIT (Honours)

Time : 11 am – 1 pm

Paper : I

Full Marks : 50

1. Define and illustrate : (any two) [3×2]
शालिनी, वंशस्थविलम्, रुचिरा
2. Scan & name the metre : (any two) [2×2]
 - a) प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।
 - b) विनयवारितवृत्तिरतस्तया।
 - c) शार्दूलः पशुमिव हन्मि चेष्टमानम्।
3. Translate into Sanskrit (in Devanāgarī script) : [5]
এক বনে একটি কাক ও একটি শৃগাল বাস করত। দুজনে অত্যন্ত বন্ধুভাবাপন্ন ছিল। একদিন শৃগালটি বনে ভ্রমণ করতে করতে একটি হস্তপুষ্প হরিণকে দেখতে পেল। তাকে দেখে শৃগালটি ভাবল, “কীভাবে হরিণটির সুললিত মাংস ভক্ষণ করি? যাক্, প্রথমে এর বিশ্বাস উৎপাদন করি।”
4. Summarise the advice of Śukānāsa after your text. [10]
5. What is the dramatic significance of the mad elephant’s raid in the 1st Act of the drama—
Abhijnanaśakuntalam? [10]
6. Explain any one of the following : [5]
 - a) काव्यं ग्राह्यमलंकारात्।
 - b) सौन्दर्यमलङ्कारः।
 - c) स दोषगुणालंकारहानादानाभ्याम्।
7. Explain in sanskrit with reference to the context any one of the following : [6]
 - a) स्मर तस्या हंसगामिनि हंसकथायाः।
 - b) अद्य म मनसि तमोपहस्त्वया दत्तो ज्ञानप्रदीपः।
8. Translate into Bengali or English any one of the following extracts : [4]
 - a) तुमुले चास्मिन् समयेऽनियन्त्रितप्रवेशाः किं किम् इति सहसोपसृत्य विविसुरन्तर्वीशिकपुरुषाः। दहशुच तदवस्थं राजकुमारम्।
তদনুভাবনিরুদ্ধনিগ্রহেচ্ছাস্তু সद्य এব তে তমর্থ চণ্ডবর্মণে নিবেদয়াজ্জক্ৰুঃ।
 - b) दयित! त्वत्प्रसादादद्य मे चरितार्था श्रोत्रवृत्तिः। अद्य मे मनसि तमोपहस्त्वया दत्तो ज्ञानप्रदीपः। पक्वमिदानीं
त्वत्पादपद्मपरिचर्याफलम्। अस्य च त्वत्प्रसादस्य किमुपकृत्य प्रत्युपकृतवती भवेयम्।

